IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 6, June 2025
Impact Factor: 7.67

कुशलेन्द्र श्रीवास्तव की कहानियों में करुणा और सहानुभूति के मानवीय मूल्य का विश्लेषण

पिंकी[1] और डॉ. सुनीता सिंह[2]
शोधार्थी, हिन्दी विभाग[1]
सह आचार्य, हिन्दी विभाग[2]
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा

सारांश

कुशलेन्द्र श्रीवास्तव की कहानियाँ भारतीय समाज के सामाजिक और मानवीय पहलुओं की सूक्ष्म दृष्टि प्रस्तुत करती हैं। उनके कथ्य में करुणा और सहानुभूति के मानवीय मूल्य प्रमुखता से देखे जा सकते हैं, जो पात्रों की आंतरिक और बाह्य परिस्थितियों के माध्यम से व्यक्त होते हैं।

श्रीवास्तव की कहानियाँ न केवल व्यक्तिगत पीड़ा और संघर्ष की अभिव्यक्ति हैं, बल्कि वे समाज में मानवीय संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों को जागृत करने का माध्यम भी हैं। उनकी लेखनी में पात्रों के आपसी संबंधों, सामाजिक अन्याय और मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के माध्यम से करुणा और सहानुभूति की महत्ता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य संकेतक : कुशलेन्द्र श्रीवास्तव, करुणा, सहानुभूति, मानवीय मूल्य, सामाजिक चेतना।